गरिमा 1

1. पशु-पक्षियों की आवाज़ें

पशु-पक्षियों की आवाज़ें ही उनकी बोलियाँ होती हैं। उनकी आवाज़ें बच्चों को बहुत आकर्षित करती हैं। अपने घर-परिवार में खेल-खेल में वे अकसर उनकी आवाज़ों के बारे में जानते ही रहते हैं। बचपन से ही बच्चों को पशु-पक्षियों की आवाज़ सुनाकर ही बहलाया जाता है।

शिक्षण-संकेत

- शिक्षक-शिक्षिका बच्चों से पूछें– बिल्ली की आवाज़ कैसी होती है, कुत्ता कैसी आवाज़ निकालता है। चिड़िया की आवाज़ कैसी होती है आदि प्रश्नों द्वारा बच्चों का ध्यान पुस्तक के पहले पाठ की ओर लाएँ।
- बातचीत के उपरांत पृष्ठ-3 पर दी गई कविता को पढ़ें।
- कविता के साथ दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनसे चित्रों के नाम बताने को कहें।
- प्रत्येक बच्चे से कविता की दो-दो पंक्तियाँ पढ़वाएँ।
- समझाएँ, पशु-पक्षी जो आवाज़ें निकालते हैं, उसे ही उनकी बोली कहते हैं।
- कविता में आए पशु-पक्षियों के नाम बोलकर बच्चों से उनकी आवाज़ बताने को कहें।
- 'देखें कितना सीखा' के अंतर्गत दिए गए अभ्यास कराने में बच्चों की यथासंभव सहायता करें।